भारतीय विद्या भवन में पूर्णानंद फाउण्डेशन द्वारा विद्यार्थियों में परीक्षा का भूत भगाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को जानकारी देते अध्यात्मिक गुरु श्री रमेशजी जैन। (फोटो : मिलाप)

सकारात्मक सोच से हर कार्य संभव : रमेशजी जैन

हैदराबाद, 6 फरवरी-(मिलाप ब्यूरो) 'व्यक्ति अपने अवचेतन मन में नकारात्मक सोच के स्थान पर सकारात्मक सोच रखे, तो वह हर कार्य को संभव कर सकता है। व्यक्ति बिना लक्ष्य के कभी भी जीवन में सफल नहीं हो सकता।'

आज भारतीय विद्या भवन में पूर्णानंद फाउंडेशन द्वारा विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में अध्यात्मिक गुरु श्री रमेशजी जैन ने कहा कि व्यक्ति की विफलता का सबसे बड़ा कारण उसकी नकारात्मक सोच है। व्यक्ति की नकारात्मक सोच ही उसके कार्य के साकार होने में सबसे बड़ी बाधा है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति के अवचेतन मन में जैसी सोच होगी, वही बाद में साकार रूप ले लेती है। नकारात्मक सोच के परिणाम सैदव ही नकारात्मक होते हैं। व्यक्ति की नकारात्मक सोच सकारात्मक सोच से ज्यादा शक्तिशाली होती है। यही वजह है कि व्यक्ति पहले नकारात्मक ही सोचता है।

श्री जैन ने आगे कहा कि अभिभावक ही अपने बच्चों के भाग्य विधाता हैं। इसीलिए बच्चों सें पहले अभिभावक अपने आप को समझने का प्रयास करें। बच्चों को नाकारात्मक सोच से दूर कर उनके जीवन को संवार सकते हैं। उन्होंने कहा कि अभिभावक कभी भी अपने बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से न करें, क्योंकि हर बच्चा प्रतिभाशाली है, बस उसे संवारने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि बच्चे अपने आप पर विश्वास रखें, तो सफलता उसके कदम चूमेगी। माता-पिता एवं अध्यापकों को भी चाहिए कि वे अपने बच्चों पर विश्वास करें।

श्री रमेशजी जैन ने उदाहरण देते हुए कहा कि जानवर को तैरना सिखाना नहीं पड़ता, जबकि व्यक्ति को तैरना सीखना पड़ता है। क्योंकि जानवर डरते नहीं, इसीलिए तैर लेते हैं और व्यक्ति डूबने के भय के कारण तैर नहीं पाता। उसका भय खत्म होने के बाद ही वह आसानी से तैर लेता है। उन्होंने कहा कि जीवन में जब तक भय है, तब तक सफलता नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि व्यक्ति अपने मन में हर कार्य को करने का विश्वास पैदा करे और प्रतिदिन ध्यान करते हुए भीतर सकारात्मक सोच भरें।

श्री जैन ने विद्यार्थियों को जीवन के 10 गुप्त रहस्य बताते हुए कहा कि व्यक्ति सबसे पहले अपने भीतर सफल होने का विश्वास जागरूक करें। अपने अवचेतन मन में केवल सकारात्मक सोच को ही स्थान दें। उन्होंने कहा कि जीवन में जब तक ध्येय नहीं होगा, तब तक कुछ भी साधा नहीं जा सकता। जीवन में सफल होने के लिए समय का पालन कर समयानुसार योजना बनाकर उसी के अनुसार कार्य करें। उन्होंने कहा कि जीवन को तनाव, भय तथा चिड़चिड़ाहट से दूर रखने के लिए ध्यान, प्राणायाम, योग इत्यादि के साथ-साथ संगीत, नृत्य, हास्य तथा खेलकूद में सक्रिय रूप से भाग लें। उन्होंने कहा कि अपनी स्मृति को बढ़ाने के लिए ब्रेन गेम्स खेलते हुए दैनिक घटनाओं को याद करने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि जीवन में बिना कड़ी मेहनत के सफलता नहीं मिलती। अपने भीतर व्याप्त परीक्षा के भूत को भगायें। अंत में उन्होंने कहा कि सदैव अपने माता-पिता से प्रेम कर उनका आदर करें। अवसर पर भारी संख्या में बच्चे एवं उनके अभिभावक उपस्थित थे।

बनेगा भूमिगत...

(पृष्ठ 9 का शेष)

तक किया जाएगा।

संपत्ति कर वसूली में तेज़ी

कृष्णा बाबू ने कहा कि निगम ने अब तक 410 करोड़ रुपये संपत्ति कर वसूला है। जारी वर्ष में 650 करोड़ रुपये का लक्ष्य है, जिसे पूरा करने के लिए जारी वसूली प्रक्रिया की गति को और तेज़ करना अनिवार्य है। निगमाधिकारी बक़ायादारों को बार-बार याद दिला रहे हैं, लेकिन जो लोग जानबूझकर संपत्ति कर अदा नहीं कर रहे हैं, उनके ख़िलाफ कार्रवाई का मन बना लिया गया है। निगमायुक्त ने कहा कि उन्हें रेड नोटिस जारी करने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा। उन्होंने कहा कि निजी स्कूलों से भी संपत्ति कर वसूला जाएगा। सरकारी भवनों के बारे में भी सरकार से कहा गया है और अगले सप्ताह निगम संपत्ति कर वसूली में तेज़ी लाने तथा लक्ष्य की पूर्ति के लिए एक कार्ययोजना तैयार करेगा।

बायोडायवर्सिटी कॉन्फ्रेन्स के लिए 800 करोड़ केन्द्र से माँगे

जीएचएमसी ने आगामी अक्तूबर माह में प्रस्तावित कॉन्फ्रेन्स ऑफ पार्टीज़ (बॉयोलोजिकल डायवर्सिटी) के उपलक्ष्य में शहर में नागरिक सुविधाएँ स्थापित करने, संबंधित मार्गों को आदर्श सड़कें बनाने एवं फुटपाथों का निर्माण करने हेतु 800 करोड़ रुपये केन्द्र सरकार से मांगे हैं। इस संबंध में मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को भी एक पत्र लिखा है। आज यहाँ संवाददाताओं को संबोधित करते हुए नगर निगम आयुक्त कृष्णा बाबू ने कहा कि दिल्ली में जब कॉमनवेल्थ खेलों का आयोजन हुआ था, तो केन्द्र ने दिल्ली नगर निगम को 2,000 करोड़ रुपये दिये थे। हैदराबाद में होने वाला आयोजन उससे काफी बड़ा है, जिसमें 198 देशों के मिनिस्ट्रीयल प्रतिनिधि भाग लेंगे। इसलिए इसके लिए अधिक तैयारियाँ करनी होंगी। राष्ट्रीय राजमार्गों के अलावा कई सड़कों को आदर्श रूप में निर्मित करना होगा। नागरिक सुविधाएँ भी स्थापित करनी होंगी। उन्होंने कहा कि जुबली हिल्स के रोड नं. 36 को आदर्श रूप में विकसित करने की योजना बनाई गयी है।